भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3821

गुरूवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

एसएटीटीई 2025 में गोवा पर्यटन द्वारा किए गए सहयोग/समझौते

3821 डा. भागवत कराड़:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) दक्षिण एशिया का यात्रा और पर्यटन एक्सजेंज (एसएटीटीई) 2025 में गोवा पर्यटन द्वारा सतत एवं पुनर्योजी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रमुख पहल की गई है;

(ख) क्या इस आयोजन में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन निकायों या हितधारकों के साथ कोई सहयोग या समझौते पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार गोवा में हरित पर्यटन अवसंरचना में निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कोई वित्तीय या नीतिगत प्रोत्साहन प्रदान कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): गोवा सहित सभी राज्य और संघ राज्यक्षेत्र अपनी-अपनी पर्यटन नीतियों और कार्यनीतियों के अनुरूप अपने पर्यटन उत्पादों का स्वतंत्र रूप से संवर्धन और विपणन करते हैं। गोवा पर्यटन ने सूचित किया है कि उन्होंने दक्षिण एशिया के यात्रा और पर्यटन एक्सचेंज (एसएटीटीई) 2025 में भाग लिया, जहां उसने राज्य की विविध पर्यटन पेशकशों, जैसे सांस्कृतिक विरासत, इको-पर्यटन पहल, साहसिक पर्यटन, महोत्सवों और तटों से हटकर इमर्सिव एक्सपीरियंस को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के दौरान, राज्य ने सहयोग के अवसरों का पता लगाया, मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत की एवं गोवा में स्थायी और पुनर्योजी पर्यटन प्रोत्साहित करने के लिए पर्यटन हितधारकों और सरकारी अधिकारियों के साथ परस्पर व्यवसायिक बैठकें (बी-टू-बी) कीं।

राज्य ने सूचित किया है कि उन्होंने आयोजन के दौरान किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है और देश भर में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया है, जो गोवा सहित पर्यटकों एवं पर्यटन व्यवसायों दोनों को प्रोत्साहित करता है, ताकि स्थायी प्रथाओं को अपनाया जा सके।

*****